न्यायालय जिला कलक्टर अजमेर, जिला अजमेर

रसद प्रार्थना पत्र संख्या 84 / 2025

राजस्थान सरकार जरिये महेन्द्र कुमार यादव, प्रवर्तन निरीक्षक, अजमेर।

........**प्रार्थी**

बनाम

श्री मोहम्मद शमी पुत्र अब्दुल सत्तार
मैसर्स जम जम पैलेस, मधुशाह गली, दरगाह के पास, अजमेर

.....**अप्रार्थी**

प्रार्थना पत्र अन्र्तगत धारा 6 ए आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955

उपस्थितः श्री रेणुका चतुर्वेदी, प्रवर्तन अधिकारी – पैरोकार सरकार

श्री मोहम्मद शमी अप्रार्थी

आदेश

दिनांक 14.01.2026

संक्षिप्त में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि दिनांक 03.12.2025 को जिला कलक्टर महोदय के निर्देशानुसार घरेलू गैस सिलेण्डरों के अवैध दुरूपयोग एवं गैस रिफलिंग रोकथाम अभियान के तहत जांच दल मोहम्मद शमी पुत्र अब्दुल सत्तार, मैसर्स जम जम पैलेस, मधुशाह गली दरगाह के पास अजमेर पहुँचे। जांच दल में राहुल कुमार वेदवाल प्रवर्तन निरीक्षक, मीना डेचरवाल प्रवर्तन अधिकारी सम्मलित थे। मौके पर 02 घरेलु एलपीजी सिलेण्डरों (मय 13.4 किग्रा एलपीजी) व्यावसायिक रूप से प्रयोग किया जा रहा था। अप्रार्थी द्वारा एल.पी.जी सिलेण्डरो का दुरूपयोग कर एल.पी.जी. आदेश 2000 के खण्ड 3(1) सी की अवलहेलना होने के कारण घरेलू एल.पी.जी सिलेण्डर को राजहित में जब्त किया गया। मौके पर मैसर्स ख्वाजा गैस एजेन्सी, अजमेर का कार्मिक श्री मुकेश कुमार पुत्र श्री हरप्रसाद निवासी भजनगंज अजमेर को बुलवा कर कांटे से वजन करवाने पर सिलेण्डर का विवरण निम्नानुसार पाया गया।

NO.	S.R.NO.	CO.	T.W.	G.W.	N.W.GAS
1	7413258	BPCL	15.7	17.0	1.3
2	79838	BPCL	15.9	28.0	12.1

अतः प्रार्थना पत्र अन्तर्गत आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 6 ए के तहत प्रस्तुत कर जब्तशुदा 02 घरेलू एलपीजी सिलेण्डर मय 13.4 किलोग्राम एलपीजी को राजसात करने हेतु प्रस्तुत किया गया हैं।

जिला कलक्टर
अजमेर

प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। अप्रार्थी उपस्थित आये जवाब प्रस्तुत किया गया । सुनवाई चाहने पर उभय पक्ष को प्रार्थना पत्र पर सुना गया।

पैरोकार सरकार ने प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि दिनांक 03.01.2025 को जांच दौरान अप्रार्थी द्वारा अपने व्यावसायिक स्थल पर घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यावसायिक दुरूपयोग किया जाना पाया गया। मौके पर 02 घरेलू एलपीजी सिलेण्डर मय 13.4 किलोग्राम एलपीजी पाया गया। अप्रार्थी द्वारा गैस सिलेण्डर के संदर्भ में कोई कागजात मौके पर प्रस्तुत नहीं किए गये ना ही सिलेण्डर भण्डारण का कोई सन्तोषजनक जवाब मौके पर दिया गया। अप्रार्थी का यह कृत्य एल.पी.जी आदेश 2000 की धारा 3 (1) सी का स्पष्ट उल्लंघन है, जो कि आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत दण्डनीय अपराध है। अतः जब्तशुदा 02 घरेलू एलपीजी सिलेण्डर मय 13.4 किग्रा एलपीजी को राजसात फरमावें।

अप्रार्थी ने अपने जवाब में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए बहस में निवेदन किया गया कि उक्त अधिनियम की जानकारी नहीं होने के कारण मेरे द्वारा घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग किया गया अतः मेरे द्वारा भविष्य में इस प्रकार की पुर्नावृति नहीं की जावेगी तथा यदि मेरे द्वारा उक्त अपराध के अन्तर्गत पुर्नावर्ती की गई तो उसकी समस्त प्रकार की जिम्मेदारी मेरी होगी । अतः प्रार्थी को गैस सिलेण्डर सुपुर्द किये जावे।

हमने उभयपक्ष की बहस पर मनन किया तथा पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजात का अवलोकन किया। वरवक्त जांच अप्रार्थी द्वारा एल.पी.जी. गैस सिलेण्डर का व्यावसायिक उपयोग तथा जांच में असहयोग किया जाना पाया गया। मौके पर घरेलू गैस सिलेण्डर के माध्यम से व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। प्रार्थी की जांच कार्यवाही दिनांक 03.01.2025 में अप्रार्थी के उपरोक्त अवैद्य कृत्य स्वतः ही साबित है। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है तथा कब्जेराज लिये गये जब्तशुदा 02 घरेलू एलपीजी सिलेण्डर, मय 13.4 किग्रा एलपीजी को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 6ए के तहत राजसात किया जाता है। चूंकि उक्त सिलेण्डर को संबन्धित कम्पनी अमानत राशि लेकर नये उपभोक्ताओं को जारी करेगी। अतः पूर्व में जमा अमानत राशि राजकोष में जमा करवाई जावें।

आदेश मेरे द्वारा लिखवाया जाकर आज दिनांक 14.01.2026 को सरे इजलास सुनाया गया।

न्यायालय जिला कलेक्टर अजमेर

(लोक बंधु)
जिला कलक्टर,अजमेर